

ऐ० पन्नालाल दि० जैन-सरस्वतीभवन बम्बईके कुछ लि० ग्रंथोंकी सूची

बम्बईका सरस्वतीभवन, जो सेठ सुखानन्दजीकी धर्मशालामें स्थित है, आजसे कोई २० वर्ष पहिले ज्येष्ठशुक्ला पंचमी सं० १९७६ विक्रमको स्थापित हुआ था और उस वक्तसे बराबर व्यवस्थितरूपसे चल रहा है। इसकी स्थापनामें ऐलक पन्नालालजीका खास हाथ रहा है, और इसलिये यह सरस्वतीभवन ऐलकजीके नामपर ही नामाङ्कित किया गया है। ऐसे ही सरस्वतीभवन आपने भालगणेशन तथा व्यावरमे भी स्थापित कराये हैं। आपने अनेक स्थानोपर घूम फिरकर पुरानी प्रांतियां भी इन भवनोमें भिजवाई हैं, नई प्रतियां भी कराई हैं और जनताको आर्थिक सहयोगकी भी प्रेरणा की है। अतः जैनसाहित्यके संग्रह और सुरक्षित विषयमें यह आपकी खास सेवा है, और जैनसमाज इसके लिये आपका चिरश्रेष्ठी रहेगा। इस भवनमें इस्तालिखित ग्रन्थोका अच्छा संग्रह है, जिसमें दिगम्बर, श्वेताम्बर तथा अजैन सभी प्रकार के ग्रन्थ शामिल हैं और उनके जुदा-जुदा सूची-नजिद्वर बने हुए हैं। हालमें भवनके प्रधान कार्यकर्त्ता श्रीमान् पं० रामप्रसादजी शास्त्रीकी कृपा एवं धीज्यसे मुझे दिगम्बर जैनग्रन्थोकी जो सूची प्राप्त हुई है और जिसके लिये मैं उनका बहुत आभारी हूँ उससे मालूम होता है कि इस भवनमें दिगम्बर जैनग्रन्थोकी संख्या ११०० के करीब है, जिनमें ताड़पत्रोंपर लिखे हुए ग्रन्थ तथा किसी किसी ग्रन्थकी कई कई प्रतियां भी शामिल हैं। इस सूचीधरसे यहाँ सिर्फ उन ग्रन्थोकी सूची पाठकोके सामने रखी जाती है जो गत वर्षके अनेकान्तमें प्रकाशित हुई दूसरे भण्डारोकी सूचियांमें नहीं आए हैं, जिससे जैनसाहित्यके विषयमें पाठकोके ज्ञानकी उत्तरोत्तर वृद्धि होके और उनमें नयेनये साहित्यके अवलोकन, उद्धार और प्रचारकी भावना बलवती हो उठे।

—सम्पादक

क्रम नं०	ग्रन्थ-नाम	ग्रन्थकार-नाम	भाषा	लिपिसंवत्
६३५	अज्ञितपुराण	अश्वरूपमणि	संस्कृत	२४५३
२८१	अज्ञितपुराण	महाकवि राज	कन्नड़	शक १४६१
१८७	अध्यात्मकमलमार्तण्ड	कवि राजमल्ल	संस्कृत	वी.न. २४४६
ख० १२	अनिरुद्धहरण	जयसागर	गुजराती	×
८१०	अन्तःकृतवृत्ति	×	संस्कृत	×
८४०	अभिकालक	भ० शुभचन्द्र	"	२४६१
७७४	अमृतधर्मरास	गुणचन्द्रदेव	"	×
२६७	अमोघवृत्तिन्यास	प्रभाचन्द्राचार्य	"	२४४६
३२५	अर्थव्यंजनार्थानिरूपणा	×	"	२४५०
८६८	अष्टसहस्रीभिका	लघुसमन्तभद्र	"	२४६४
६३८	अष्टतुष्टवृत्ति	कुन्दकुन्द (?)	"	×
३६६	अज्ञानाभवननयनाटक	अष्टिदास	"	×
६०	आदित्यवार-उत्थापन	केशवसेन	"	×
८०६	आदिपुराण (टिप्पण)	प्रभाचन्द्राचार्य	संस्कृत	२४५३
८५६	आदिपुराण सटीक	अनिलेन टी० ललितकीर्ति	"	२४६३
६६८	आदीश्वरफाग	भ० शानभूषण	हिन्दी	×
ख० १५१	आतपरीक्षा भाषा	श्रीलालपाटनी	"	१६२५
५१०	आत्मसंशोधन	भ० ज्ञानभूषण	"	१९२६
७००	आत्मसंशोधन	कवि रङ्गू	प्राकृत अपभ्रंश	१६८६

क्रम नं०	ग्रन्थ-नाम	ग्रन्थकार-नाम	भाषा	लिपि संवत्
७६६	आयशानतिलकसटीक	भट्टचोसरि (मायनंदि-शिष्य)	प्राकृत	२४५६
८००	आयसद्भावप्रकरण	मल्लिषेय	संस्कृत	२४५६
६२२	आराधनाकथाकोष	हरिषेय	संस्कृत	२४५३
६३७	आराधना कथाकोष	भ० सकलकीर्ति	"	२४५३
२३०	आखविभंगी	नेमिचन्द्राचार्य	प्राकृत	X
३१६	उत्तरछत्तीसी (गणित)	सुमतिर्कीर्ति	संस्कृत	१६८१
१६६	उत्तरपुराण	महाकवि पुण्ड्रन	अपभ्रंश	X
७५६	उत्तरपुराण	भ० सकलकीर्ति	संस्कृत गद्य	X
३२४	उदयविभंगी	नेमिचन्द्रसिद्धान्तिक	प्राकृत	२४५०
५५२	उपदेशरत्नमाला	कवि ठक्कुर	"	१६२६
४८१	उपदेशरत्नमाला	कावि रहधू	प्रा० अपभ्रंश	२४५१
४८८	उपदेशरत्नाकरभावकाचार	भ० विद्याभूषण	संस्कृत	१६२५
८७५	उपसर्गहरस्तोत्र	पूर्णचन्द्र ?	"	X
५५७	उर्वशीनाममाला सटीक	पं० शिरोमणि, टी० पं० वंशीधर	"	१६२६
८७०	एकाक्षर नाममाला	X	"	१६६७
६४०	श्रृंगभदेवनिर्वाणानन्द नाटक	केशवसेन	"	X
६२५	श्रृंगभपुराण	भ० चन्द्रकीर्ति	"	२४५३
६४४	कथाकोष	भीमचन्द्र	"	X
२२०	कलङ्कभावकाचार	X	कलङ्क	X
२६	कर्मदहनपूजा	भ० चन्द्रकीर्ति	संस्कृत	१६८६
२६३	कर्मप्राश्न	कुमारसेनदेव	"	X
२६	कर्णामृतपुराण	केशवसेन	"	१६७८
ख० ४०	करकंडुमुनिचरित्र	ब्र० जिनदास	गुजराती	X
८२८	करकंडुचरित्र	भ० शुभचन्द्र	संस्कृत	२४६०
५७६	कलिकंडुपूजा	पद्मनन्दी	"	X
३३३	कातवविस्तर	कर्णदेवोपाध्याय वर्धमान ?	"	X
८०१	कालशान ?	दुर्गादेव	प्राकृत	२४५६
२६६	कालस्वरूप	X	कलङ्की	X
६१३	केवलज्ञानदीपा	चन्द्रसेन	संस्कृत	२४५३
ख० ३२	कोहलावारसी	मेघराज	गुजराती	१७५०
८७१	कौमुदीकथा	भूतलामर	संस्कृत	X
६६२	क्षपणामर	माधवचन्द्र	संस्कृतगद्य	२४५४
६६१	क्षेत्रगणित	महावीराचार्य	संस्कृत	२४५४
४८६	गन्धकुटीपूजा	पं० आशाधर	"	२४५१
५१४	गुर्वावली	नेमिचन्द्र	"	१६२६

क्रम नं०	ग्रन्थ-नाम	ग्रन्थकार-नाम	भाषा	लिपि संवत्
५३७	गौतमचरित्र	धर्मचन्द्र	संस्कृत	१५८०
२२६	चतुर्दशधारा	नोमचन्द्राचार्य	"	X
५३	चतुर्विंशतिताय्यकरपूजा	भ० श्रीभूषण	प्राकृत	X
५६३	चतुर्विंशतिपुराण	दामनदी	संस्कृत	२४५२
७०	चन्दनषट्पञ्चा	भ० वज्रकीर्ति	"	X
६२३	चन्द्रनाचरित्र	भ० शुभचन्द्र	"	२४५३
१७८	चन्द्रप्रभकाव्यटीका	टी० ? X	संस्कृत	१६८०
६२१	चन्द्रप्रभचरित्र	भ० शुभचन्द्र	"	X
७७४	चन्द्रप्रभपुराण	धर्मकीर्ति	"	X
७८१	चन्द्रप्रभपुराण	जसकीर्ति	प्राकृत	२४५८
४६	चारित्र्यशुद्धिविधान	X	संस्कृत	१६४३
४२०	चिक्रमन्तभद्रस्तोत्र	X	"	X
ख० १३७	जम्बूस्वामीचरित्र	दीपचन्द्रवर्णा	हिन्दी	२४५१
५०४	जम्बूस्वामीचरित्र	पं० जिनराज	संस्कृत	२४५२
५४४	जिण्णधरचरित्र	कवि रङ्गधू	प्राकृत अपभ्रंश	१६२५
५६३	जिनगुणसंपत्ति	भ० नरेन्द्रचन्द्र	संस्कृत	X
३४३	जिनचतुर्विंशतिस्तोत्र	केशवसेन	"	१६२४
१८४	जिनयशफलोदय	भ० कल्याणकीर्ति	"	१६८०
१६६	जिनेन्द्रकल्याणाम्बुदय	अय्यपार्य	"	X
७६२	जिनेन्द्रपुराण	जैनेन्द्रभूषण	"	X
६६३	जीवनत्वप्रदीपिका	केशववर्णा (नैमिचन्द्र ?)	"	२४५४
१८६	जीवन्धरचरित्र	शुभचन्द्राचार्य	"	२४५०
८११	जीवविचार (१३०)	X	प्राकृत	X
३४७	जैनमहाभिषेकपूजा	पूज्यपाद	संस्कृत	१६२४
१६६	जैनेन्द्रन्यास	प्रभाचन्द्राचार्य	"	X
८४४	जैनेन्द्रव्याकरणभाष्य	अभयनदी	"	X
१३२	जैनेन्द्रयुक्ताष्ट	देवनदी (पूज्यपाद)	"	X
१३१	ज्ञातकैवली ?	X	"	१८७३
६२	ज्ञानपंचविंशतिउद्यान	भ० सुरेन्द्रकीर्ति	"	१८८३
६४	ज्ञानलोचनस्तोत्र	वादिगजपुरि	"	१६७८
५३३	ज्ञानस्त्रोदयनाटक	वादिचन्द्र	"	X
४८	तत्त्वधर्माभ्युत	भ० चन्द्रकीर्ति	"	X
३१७	तत्त्वत्रिचार	वसुनन्दी	प्राकृत	१६८१
८६२	तत्त्वसार-टीका	भ० कमलकीर्ति	"	२४६३
ख० ७	तत्त्वार्थसार	न्यादरमलसुत चेतनदास	हिन्दी	१६७२

क्रम नं०	ग्रन्थ-नाम	ग्रन्थकार-नाम	भाषा	लिपि संवत्
२१०	तत्त्वार्थसुखबोधवृत्ति	भास्करानन्दी	संस्कृत	२४५०
६४७	तीर्थीजनचन्द्रिका	गुणभद्राचार्य	"	X
६	त्रिभंगीमार-टीका	शोमदेवसुरि	प्राकृत	१८८८
५६४	त्रिलाकाजनपूजा	भ० शुभचन्द्र	संस्कृत	X
६१२	त्रिवर्णशीवाचारविधि	मदनन्तमुनि	"	२४५३
६१२	त्रिपञ्चलक्षणमहापुराण	मस्तिषेण	"	X
६२८	त्रैविष्टिकाचार	नेमिचन्द्र	"	२४५३
४३२	दशलक्षणदिकथा	भ० यशःकीर्ति	"	X
४८६	दानशासन	वासुपूज्य	संस्कृत	२४५२
३६६	दीप्तिमुद्रसंहिता	भ० देवेन्द्रकीर्ति	"	X
८०३	द्रव्यममुच्यते	भ० कनककत	"	२४५६
८६६	धनंजयनाममाला	भ० अमरकीर्ति	"	१६०६
१४१	धर्मशार्ङ्गमुद्रय टीका	भ० यशःकीर्ति	"	X
७६४	धर्माभ्युत्साह	गुणचन्द्रदेव	"	१६८६
६१७	धर्मोद्देशरत्नमाला	भ० रत्नभूषण	"	२४५३
३१६	ध्यानस्तव	भास्करानन्दी	"	१६८१
४१८	नक्षत्रचूडामणि	?	"	X
६६	नयकारपैनीपूजा	अक्षयराय	"	१७६४
३४४	नयपदार्थनिश्चय	वादीभगिन्ह	"	१६२४
६१८	नागकुमारचरित्र	धर्मशेर (?)	"	२४५३
ख० १४३	"	ब्र० जिनदाम	गुप्त० हिन्दी	१६२५
२६१	निर्घट्टमय (?)	नेमिचन्द्राचार्य	सं० कन्नडलिपी	X
२६२	निर्घट्टमय	धनंजयकवि	सं० कन्नडलिपी	X
३४८	निदानमुक्तावलि	पूज्यपाद	"	१६२४
४४३	नेमिचन्द्रजीवनचरित्र	भ० विजयकीर्ति	"	१६२४
६०८	नेमिनाथचरित्र	कवि नरसिंह	संस्कृत	२४५३
ख० २६	नेमिनाथपूजा	मन्त्रकवि	हिन्दी	X
१३१	नेमिपुराण	पं० भागचंदजी	"	२४५१
५०३	न्यायकुमुदचन्द्रोदय	प्रभाचन्द्राचार्य	संस्कृत	२४५२
३५०	न्यायमणिदीपिका	अजितसेन	"	१६२४
३४८	न्यायनिश्चयालंकार (मत्रीक)	मू० अकलंकदेव, टी० वादिराजसुरि	"	X
६६६	पदसंग्रह	कवि सुखीलाल	हिन्दी पद्य	१६४८
४६२	पद्मपुराण	सोमसेन	"	२४५२
८१५	पद्मनाभपुराण	भ० शुभचन्द्र	"	X
२८४	पद्मावतीपुराण	?	कन्नड	X

क्रम नं०	ग्रन्थ-नाम	ग्रन्थकार-नाम	भाषा	लिखित्व
स्व० १८	पन्द्रइतिथि (पलवाडा)	नेमिचन्द्र	हिन्दी	१८८२
५५०	पंचकल्याण कपाठ	भ० चन्द्रकीर्ति	संस्कृत	×
७१	पंचमीशेषधोयापन	हर्षकवि	×	×
१०	पंचसंग्रह	×	प्राकृत	१५२७
६१४	पंचसंग्रह	भ० मदनकीर्ति	संस्कृत	×
५१६	पंचसंधानकाव्य	कवि शान्तिराज	संस्कृत	१६२६
३४६	पाण्डवपुराणमूल	वादिचन्द्र	"	१६२४
५०२	पाण्डवपुराण	भ० श्रीभूषण	"	२४५२
५४०	पात्रकेसरीस्तोत्र (सटिप्यण)	पात्रकेशरी	"	१६०६
४५६	पार्श्वनाथचरित्र	वादिचन्द्र	संस्कृत	२४५१
६७८	पार्श्वनाथपुराण	भ० पद्मकीर्ति	प्राकृत	१६८४
१५८	पार्श्वनाथपुराण	भ० चन्द्रकीर्ति	संस्कृत	१८७३
७५४	पुण्यारम्भ	कवि रङ्गधु	प्रा० अष्टाध्याय	×
७४८	पुण्यारम्भकथाकोश	जयमित्र इल्लहरि अपरनामहरिहर्द	"	×
३८८	पुराणसार	भ० सकलकीर्ति	संस्कृत	×
३२२	पुरुदेवचम्पू	पं० अर्द्धदास	"	१८४६
४३	पुरुषार्थानुशासन	पं० गोविन्द कवि	"	१८४७
७६	पुण्यात्रालिपूत्रा	भ० रत्नचन्द्र	"	×
६४	पुण्यात्रालिपूत्रोपागन	गंगादास	"	१८६५
४६४	पूज्यपादवैद्यक	पूज्यपादस्वामी	"	२४५२
स्व० १४४	पोसइरास	भ० ज्ञानभूषण	हिन्दी पद्य	×
२५५	प्रकृति समुत्कीर्तन	नेमिचन्द्र	प्राकृत	×
४३५	प्रतिष्ठाकल्प	वादिकुमुदचन्द्र	संस्कृत	१६२५
५६७	प्रतिष्ठापाठ	ब्रह्मगिरि	"	२४५३
७८३	प्रद्युम्नचरित्र	सिद्धसेन (निहमेन)	प्राकृत	२४५८
३६४	प्रबोधसार	भ० यशः कीर्ति	संस्कृत	१६२४
३८४	प्रमाणन्यालंकार	×	"	१६२४
३४६	प्रमेयलमालालंकार	चारुकीर्तिपण्डिताचार्य	"	१६२४
३१०	प्रवचनसरोजभास्कर टी. प्र. भा.	प्रभाचन्द्राचार्य	"	१६८१
४६१	प्राकृतव्याकरण	भृत्तिसागर	प्राकृत	२४५१
३८१	प्राकृतव्याकरण	त्रिविक्रमदेव	संस्कृत	१६२४
६३३	प्राकृतव्याकरणसटिप्यण	भ० शुभचन्द्र	प्राकृत	२४५३
१२७	वीरकौस्तुभ	पं० महीराज	संस्कृत	×
१५५	बुद्धिरसायण	सुमतिसागर	प्राकृत	×
१८३	भगवत्पाराधना	अमितामिता	संस्कृत	१६८०

क्रम नं०	ग्रन्थ-नाम	ग्रन्थकार-नाथ	भाषा	लिपिसंवत्
२७६	भरतेश्वरपुराण	×	कन्नड	१७१६
४४७	भविष्यदत्तचरित्र	श्रीधर	संस्कृत	१६२५
४७६	भविष्यदत्तपंचमीकथा	पं० घनपाल	प्राकृत अपभ्रंश	१६८३
४४०	भयंककठाभरणपंजिका	कवि अईदास नं० १	"	१६२५
४४१	भगवानन्दशास्त्र	पाक्यात्मापति	"	१६२५
२३१	भावत्रिभंगी	श्रुतमुनि	प्राकृत	×
५०७	भावशतक	नागराज	संस्कृत	१६२६
ख० १६६	महावीरस्वामीका रास	कुमुदचन्द्र	हिन्दी	×
२०६	माघनन्दिश्रावकाचार	माघनन्दी	कन्नड	×
८७७	मूल, संघपट्टावली	×	संस्कृत	१६४३-२४६६
५६६	मूलाचार	कुन्दकुन्दाचार्य ?	"	२४५३
२००	मूलाराधनादर्पण (भग.आ.टी.)	पं० आशाधर	"	×
१६८	मुनिस्तुवनकाव्य-सटीक	पं० अईदास,	संस्कृत	२४५०
७८६	मेघेश्वरचरित्र	रङ्गधूवि	प्रा० अपभ्रंश	२४५८
६११	यत्थाचार	भ० सकलकीर्ति	संस्कृत	२४५३
४८७	यशोधरचरित्र	पद्मनन्दी	"	२४५१
६२०	यशोधरचरित्र	पद्मनाभैया	"	×
२६६	युक्त्यानुशासन-सटीक	मू.समन्तभद्र, टी. विद्यानन्दी	"	×
३१८	योगमार्गसंग्रह	गुडदास	"	१६८१
३५७	योगमार्ग	सोमदेव	"	१६२४
७६	रत्नत्रयविधि	पं० आशाधर	"	×
८०६	रत्नत्रयार्चनविधि	मल्लिषेण	"	×
२७	रामचरित	भ० जिनदास	"	१६७२
ख० १६	रामरास	"	गु० हि०	×
ख० ३६	रक्षिभणीहरण	भ० रत्नभूषण	गुजराती	×
१६१	लोकविभाग	सिंहसुर	संस्कृत	१६८०
१८८	लोकानुयोग	वृद्धजिनसेनाचार्य	"	×
६६	लक्ष्मीस्तोत्र	पद्मप्रभदेव	"	×
५५८	वरमाचरित्र	भ० वर्द्धमान	"	१५८०
५५१	वियानुशासन (सटीक)	कुमारसेन, टी. चंद्रशेखरशास्त्री	"	१६०५
१७	वियानुशासन	मल्लिषेण	"	१८७८
६३१	विमलपुण्य	भ० रत्ननन्दी	"	२४५३
५५१	विषाणहार-टीका	पार्श्वनाथ गोमट	"	१६०५
१३३	वैगम्यमणिमाला	भ० विशालकीर्ति	"	×
१२३	वैराग्यधर सटीक	सुप्रभाचार्य	प्रा०	×

क्रम नं०	ग्रन्थ-नाम	ग्रन्थकार-नाम	भाषा	लिपिसंवत्
७१२	व्रतकयाकोष	म० देवेन्द्रकीर्ति	संस्कृत	१६२६
३१४	व्रततिथिनिर्णय	सिंहनन्दी	"	१६८१
८६६	व्रतनिर्णय	गोविन्दचन्द्र	"	२४६४
ख० ४६	व्रतविचार	शुषभदास	हिन्दी	X
१२६	शकुनावली	गौतम	प्राकृत	X
७०३	शब्दसाधनिका	म० सहजकीर्ति	संस्कृत	१६८६
१६७	शाकटायनश्रमोपवृत्ति	शाकटायनाचार्य	"	१६७६
८४६	शान्तिनाथचरित्र	महेन्द्रसूर	प्राकृत	X
३१	शान्तिनाथपुराण	असमकवि	संस्कृत	१५६१
३२	शान्तिनाथपुराण	म० श्रीभूषण	"	X
५०६	शाल्यालयसनचन	म० शानभूषण	"	१६२६
ख० २७	शीलमीन	कुमुदचन्द्र	गुजराती	X
ख० १४२	शीलसुन्दरप्रबन्ध	जयकीर्ति	गु० हि०	१६२५
१	षट्कर्मोद्देश	म० अमरकीर्ति	प्रा० अपभ्रंश	X
३६	श्रावकप्रायश्चित्त	अकलंकभट्ट	संस्कृत	X
६०७	श्रावकाचार	लक्ष्मीसेनाचार्य	प्राकृत	२४४३
१६	श्रावकाचार	सुनिकुन्दकुन्द	संस्कृत	X
८३	श्रुतस्कांषपूजा	म० त्रिभुवनकीर्ति	"	X
३०	श्रुतावनार	विशुषश्रीधर	संस्कृत गद्य	१६७८
३२६	शृङ्गारभंजरी	अजितसेन यतीश्वर	संस्कृत	२४५०
७००	श्रीचित्तचूडामणि	पं० पूरुषमल्ल	"	१७५४
८५१	श्रीदेवताकल्प	म० अरिष्टनेमि	"	२४६१
ख० ११२	श्रीपाल आख्यान	वाहिराज ?	गुजराती	रचनार्ति. १७७१
२०१	श्रीपालचरित्र	कवि रङ्गधू	प्रा० अपभ्रंश	१६८०
६१६	श्रीपालचरित्र	नेमिदत्त	संस्कृत	X
३५०	श्रीपुराण	कवि हस्तिमल्ल	"	१६३६
३८३	षड्दशनप्रमाणप्रमेय	शुभचन्द्र	"	१६२४
२०७	सत्यश्रमनवर्गदा	वियानन्दी	"	१६८०
३२०	मद्बोधचन्द्रोदय	पद्मनन्दी	"	१६८१
२७३	सप्तज्योति	X	कन्नड	X
४८८	समयभूषण	इन्दनदी	संस्कृत	२४५१
८२६	सम्पत्तयुगनिषान	कवि रङ्गधू	प्रा० अपभ्रंश	२४५६
७५	सम्मोदशिवरपूजा	सुरेन्द्रकीर्ति	संस्कृत	X
५०	सम्मोदशिवरमाहात्म्य	कवि देवदत्त	"	X
५७३	सम्बोधपर्याशिका	ज० त्रिनदाथ	"	१६२६

क्रम नं०	ग्रन्थ-नाम	ग्रन्थकार-नाम	भाषा	लिपि संवत्
५५५	सम्बन्धोद्योत	विनश्चरनन्दी	"	२४५२
४६६	सम्यग्गुणारोहण	कविरहधू	प्रा० अपभ्रंश	२४५१
७६५	सरस्वती कल्प	विजयकीर्ति	संस्कृत	२४५६
४३६	सरस्वतीकल्प	अर्हदास	"	१६२५
५२	सहस्रगुणपूजा	धर्मकीर्ति	"	X
२८६	सहस्रनाम आराधना	पार्श्वदेव	"	२४५२
७७८	संगीतसार	तेजपाल	प्रा०	X
६५३	संभवायचरित्र	X	संस्कृत	X
१६३	संशयधामभञ्जिका	भ० यशःकीर्ति	सं०	१८३५
२६६	संशयध्वान्तदीपिका	भ० रत्नभूषण	"	१६२७
६१८	संशयवचनविच्छेद	विशालकीर्ति	"	१६२५
५०१	सारचौबीसीचतुर्विंशतिका	भ० सकलकीर्ति	"	२४५१
१७२	सारसंग्रह (गणितसंग्रह)	महावीरचार्य	"	१५७५
ख० १३४	सीताचरित्र	पं० दाननाराय	हिन्दी	X
६५२	सुखनिधान	पं० जगन्नाथ	संस्कृत	२४५१
४५४	सुदर्शनचरित्र	विद्यानन्दी	"	२४५१
८४२	सुभद्रानाटिका	कवि हस्तिमल्ल	"	२४६१
६८६	सुभौमचरित्र	रत्नचन्द्रसूरि	"	२४५४
६८०	सुलोचनाचरित्र	भ० वादिचन्द्र	"	२४५४
६७६	सूर्यप्रकाश	नेमिचन्द्र	"	२४५४
१३८	सिद्धचक्रकथा	भ० शुभचन्द्र	"	X
२४४	सिद्धान्तसार-सटीक	प्रभाकर	कन्नड़	X
४५०	सिद्धान्तसार-टीका	सुमनिकीर्ति	प्रा० सं०	१६२५
४८२	सिद्धान्तसार-भाष्य	मृ. सकलकीर्ति, भाष्यज्ञानभूषण	"	२४५६
७६७	सिद्धि विनिश्चयालंकारसटीक	अनन्तवार्ध	संस्कृत	२४५६
ख० १०८	हनुमन्तपुराण	दयासागर	मराठी	१६४५
ख० ३५	हनुमन्तरास	न० जिनदास	गुजराती	X
	हनुमन्तचरित्र	अजितप्रभ	संस्कृत	X
६०३	हरिवंशपुराण	स्वयंभूमनि	अपभ्रंश	X
२१६	हरिवंशपुराण	कवि मंगराज	कन्नड़	X
२०२	हरिवंशपुराण	कवि रहधू	प्रा० अपभ्रंश	१६८०
१७७	हरिवंशपुराण	भ० श्रुतकीर्ति	"	X
ख १२३	हरिवंशपुराणछंदोबद्ध	न० जिनदास	मराठी	X